No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-2

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

08644

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है । शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) तन की दुति स्याम सरोरुह लोचन कंज की मंजुलताई हरैं ।
अति सुन्दर सोहत धूरि भरे, छबि भूरि अनंग की दूरि करैं ।
दमकैं दतियाँ दुति-दामिनि ज्यौं, किलकैं कित बाल बिनोद करैं ।
अवधेस के बालक चारि सदा, तुलसी मन मंदिर में बिहरैं ।।

(ख) तनिक हरि चितवाँ म्हारी ओर ।
हम चितवाँ थे चितवो णा हरि, हिवणों बड़ो कठोर ।
म्हारी आशा चितवणि थारी, और णा दूजां दोर ।
उभ्यां ठाढ़ी अरज करूँ छँ, करतां करतां भोर ।
मीरा रे प्रभु हरि अविनासी, देस्यूं प्राण अंकोर ।।

(ग) जाके न काम न क्रोध विरोध

न लोभ छुबे नहिं छोब की छाहौं ।

मोह न जाहि रहे जग बाहिर

मोल जवाहिर तो अति चाहौं ।

बानि पुनीत ज्यों देवधुनी

रस आरद सारद के गुन गाहौं ।

सील ससी सविता छविता

कविताहि रचै कवि ताहि सराहौं ।।

(घ) रुद्ध शोक, है क्षुब्ध तोष,

अंगना-अंग से लिपटे भी

आतंक-अंक पर काँप रहे हैं

घनी, वज्र, गर्जन के बादल !

त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं ।

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,

तुझे बुलाता कृषक अधीर,

ऐ विप्लव के वीर

चूस लिया है उसका सार,

हाड़ मांस ही है आधार,

ऐ जीवन के पारावार ।

(ङ) जी हाँ, हुज़ूर, मैं गीत बेचता हूँ ।

मैं तरह-तरह के
गीत बेचता हूँ,
मैं किसिम-किसिम के गीत बेचता हूँ ।
जी, माल देखिए दाम बताऊँगा,
बेकाम नहीं हैं, काम बताऊँगा;
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने,
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने;
यह गीत सख़्त सिरदर्द भुलाएगा;
यह गीत पिया को पास बुलाएगा ।
जी, पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको
पर पीछे-पीछे अक़्ल जगी मुझको
जी, लोगों ने तो बेच दिए ईमान
जी, आप न हों सुन कर ज़्यादा हैरान ।
मैं सोच-समझकर आख़िर
अपने गीत बेचता हूँ
जी हाँ, हुज़ूर, मैं गीत बेचता हूँ ।

2. अपभ्रंश-काव्य का परिचय देते हुए हिन्दी काव्य से उसका संबंध बताइए । *16*

3. भक्ति-काव्य के स्वरूप और विकास पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए । *16*

4. 'कबीर कवि ही नहीं समाज-सुधारक भी हैं ।' इस कथन को सोदाहरण समझाइए । *16*

5. 'सूरदास वात्सल्य और शृंगार के अद्वितीय कवि हैं ।' इस कथन पर प्रकाश डालिए । *16*

6. घनानंद की कविता की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । *16*

7. स्वच्छन्दतावादी काव्य-धारा के प्रमुख कवि के रूप में रामनरेश त्रिपाठी का महत्त्व बताइए । *16*

8. जयशंकर प्रसाद की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । *16*

9. युद्ध और शांति के संदर्भ में 'कुरुक्षेत्र' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(ख) महादेवी की वेदनानुभूति

(ग) नागार्जुन

(घ) समकालीन कविता